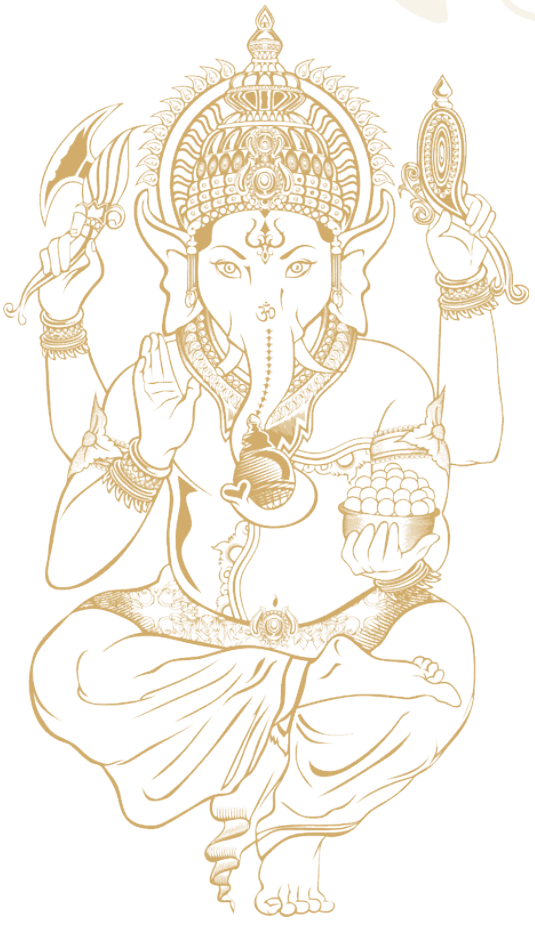

# Mr. Sushil Katiyar

# Ms. Shashi singh katiyar

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119749014

| | | |
|---|---|---|
| पुल्लिंग | लिंग | स्त्रीलिंग |
| 9-10/06/1960 | जन्म तिथि | 24/02/1975 |
| गुरु-शुक्रवार | दिन | सोमवार |
| घंटे 04:20:00 | जन्म समय | 07:00:00 घंटे |
| घटी 57:40:58 | जन्म समय(घटी) | 00:49:26 घटी |
| India | देश | India |
| Kannauj | स्थान | Agra |
| 27:04:00 उत्तर | अक्षांश | 27:09:00 उत्तर |
| 79:55:00 पूर्व | रेखांश | 78:00:00 पूर्व |
| 82:30:00 पूर्व | मध्य रेखांश | 82:30:00 पूर्व |
| घंटे -00:10:20 | स्थानिक संस्कार | -00:18:00 घंटे |
| घंटे 00:00:00 | ग्रीष्म संस्कार | 00:00:00 घंटे |
| 05:15:36 | सूर्योदय | 06:47:57 |
| 19:03:59 | सूर्यास्त | 18:15:04 |
| 23:18:13 | चित्रपक्षीय अयनांश | 23:30:53 |

| विंशोत्तरी | | अंश | राशि | ग्रह | राशि | अंश | विंशोत्तरी | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| केतु 6वर्ष 1मा 24दि | | 10:41:27 | वृष | लग्न | कुंभ | 14:06:24 | शनि 5वर्ष 4मा 11दि | |
| राहु | | 25:45:39 | वृष | सूर्य | कुंभ | 11:17:53 | सूर्य | |
| 03/08/2009 | | 01:37:13 | धनु | चंद्र | कर्क | 12:54:06 | 06/07/2024 | |
| 04/08/2027 | | 29:01:17 | मीन | मंगल | मक | 01:06:27 | 07/07/2030 | |
| राहु | 16/04/2012 | 18:10:09 | मिथु | बुध | मक | 17:00:53 | सूर्य | 24/10/2024 |
| गुरु | 09/09/2014 | 06:42:43 | धनु व | गुरु | मीन | 01:03:30 | चन्द्र | 25/04/2025 |
| शनि | 16/07/2017 | 22:16:49 | वृष | शुक्र | मीन | 07:17:19 | मंगल | 31/08/2025 |
| बुध | 03/02/2020 | 23:42:44 | धनु व | शनि व | मिथु | 18:44:17 | राहु | 25/07/2026 |
| केतु | 20/02/2021 | 26:51:32 | सिंह व | राहु व | वृश्चि | 12:16:03 | गुरु | 13/05/2027 |
| शुक्र | 21/02/2024 | 26:51:32 | कुंभ व | केतु व | वृष | 12:16:03 | शनि | 24/04/2028 |
| सूर्य | 15/01/2025 | 24:34:06 | कर्क | हर्ष व | तुला | 08:48:44 | बुध | 01/03/2029 |
| चन्द्र | 16/07/2026 | 13:25:55 | तुला व | नेप | वृश्चि | 18:11:09 | केतु | 07/07/2029 |
| मंगल | 04/08/2027 | 10:27:04 | सिंह | प्लूटो व | कन्या | 15:14:05 | शुक्र | 07/07/2030 |

## लग्न-चलित

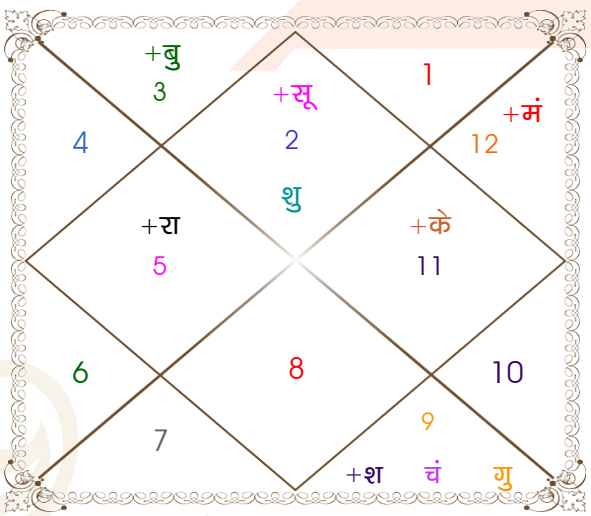


## लग्न-चलित

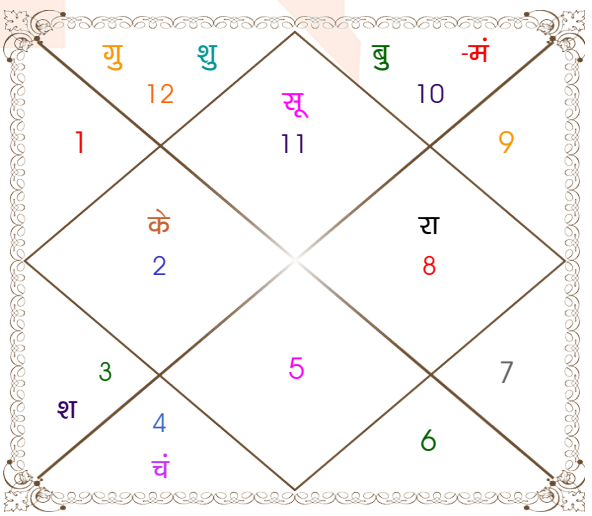

## अष्टकूट गुण सारिणी

| कूट | वर | कन्या | अंक | प्राप्त | दोष | क्षेत्र |
|---|---|---|---|---|---|---|
| वर्ण | क्षत्रिय | विप्र | 1 | 0.00 | -- | जातीय कर्म |
| वश्य | मानव | जलचर | 2 | 1.00 | -- | स्वभाव |
| तारा | विपत | मित्र | 3 | 1.50 | -- | भाग्य |
| योनि | श्वान | मेष | 4 | 2.00 | -- | यौन विचार |
| मैत्री | गुरु | चन्द्र | 5 | 4.00 | -- | आपसी सम्बन्ध |
| गण | राक्षस | देव | 6 | 1.00 | -- | सामाजिकता |
| भकूट | धनु | कर्क | 7 | 0.00 | हाँ | जीवन शैली |
| नाड़ी | आद्य | मध्य | 8 | 8.00 | -- | स्वास्थ्य/संतान |
| कुल : | | | 36 | 17.50 | | |

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

डतण ॆनीपस झंजपलंत  का वर्ग मृग है तथा डेण्ॆीप`पदही ंजपलंत  का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण ॆनीपस झंजपलंत  और डेण्ॆीप`पदही ंजपलंत  का मिलान ठीक नहीं है।

## मंगलीक दोष मिलान

डतण ॆनीपस झंजपलंत  मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

डेण्ॆीप`पदही ंजपलंत  मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

**तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।**
**विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।**

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल  डेण्ॆीप`पदही ंजपलंत  कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।**
**त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल डतण ैनीपस झंजपलंत कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतण ैनीपस झंजपलंत तथा डेण्ैीप ेपदही ंजपलंत में मंगलीक मिलान ठीक है।

## निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।